प्रिया जी की नामावली
ललित रँगीली गाइये। तातें प्रेम रंग रस पाइये।।

राधा गोरी मोहिनी, नवल किसोरी भाँम ।
नित्य विहारिनि लाड़िली, अलबेली वर वाम ।। १।।
ललित रँगीली गाइये। तातें प्रेम रंग रस पाइये।।

स्यामा प्यारी भाँवती, नागरि परम उदार।
वृंदाविपिन विनोदिनी कुंजनि-मनि सुकुँवारि।।२।।
ललित रँगीली गाइये। तातें प्रेम रंग रस पाइये।।

मृगनैंनी गजगामिनी, पिकबैंनी नव बाल।
अति सुदंर मृदु हासिनी, चंचल नैंन विसाल।।३।।
ललित रँगीली गाइये। तातें प्रेम रंग रस पाइये।।

कुंज-कामिनी भामिनी, छबि-दामिनी अनूप।
पिय-हिय-मोद-प्रकासनी, चंद वदनि रस रूप।।४||

रसिक रँगीली रँगभरी, रही लाल उर-पूरि।
पियहि लड़ावनि सुख लड़ी, प्रीतम जीवन-मूरि।।५।।

मनहरनी सुठि सोहनी नवल छबीली भाँति।
वृंदावन जगमगि रह्यौ अंगनि की छबि काँति।।६।।

कुंज-बिलासिनि दुलहिनी, आनंद-रूप-निधान।
सखियनि-मोद-बढ़ावनी, पिय प्राननि के प्रान।।७।।
ललित रँगीली गाइये। तातें प्रेम रंग रस पाइये।।

'हित ध्रुव' यह नामावली, जो करि है उर-माल।
ताके हियैं दिनहिं बसैं, नेही मोहन लाल।।८।।
ललित रँगीली गाइये। तातें प्रेम रंग रस पाइये।।